चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
The Tribune	9-12-23	2	1-4

HAU, IOCL tie up to promote honey production

120 farmers to benefit | Four districts selected in initial phase of the project

TRIBUNE NEWS SERVICE

HISAR, DECEMBER 8

From landless labourers to unemployed and uneducated men and women farmers of the state, they all are set to get financial and technical help from the Indian Oil Corporation Limited (IOCL) in setting up a beekeeping unit. The Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (HAU) and IOCL have entered into a pact for the same.

A Memorandum of Understanding (MoU) was signed in the presence of Vice-Chancellor Prof. BR Kamboj, Dr Jeetram Sharma, Director of Research, on behalf of the university and SK Kanojia, Executive Director, Northern Regional Pipeline, on behalf of the IOCL, in the university today.

"In addition to the revenues obtained from honey and other bee products, pollination activates of honeybees will contribute to the increased crop yield to the extent of 20-80 per cent in most cultivated crops through cross-pollination," Dr Kamboj said.

SK Kanojia of IOCL stated, "Beekeeping enterprise is suitable for people from all walks of life as a hobby, subsidiary occupation for supplementing income or as a full-time job for self-employment." He hoped that the MoU will help achieve goals of Corporate Social Responsibility. Kanojia added that the collaboration will usher a real 'Madhukranti' in the state and also fulfil Government of India and Haryana Government's goal of doubling farmers' income.

Dr Sunita Yadav, Head and Project Officer, Department of Entomology, mentioned that four districts of Haryana have been selected in the initial phase under the 'Madhukranti' scheme on the theme of sustainable economic and nutritional security by adopting scientific beekeeping and diversification in various districts of the state.

The districts include Karnal, Kurukshetra, Jhajjar and Sonepat. As many as 120 unemployed youth and women from the districts will be given training for setting up small beekeeping units under the supervision and help of Krishi Vigyan Kendras.

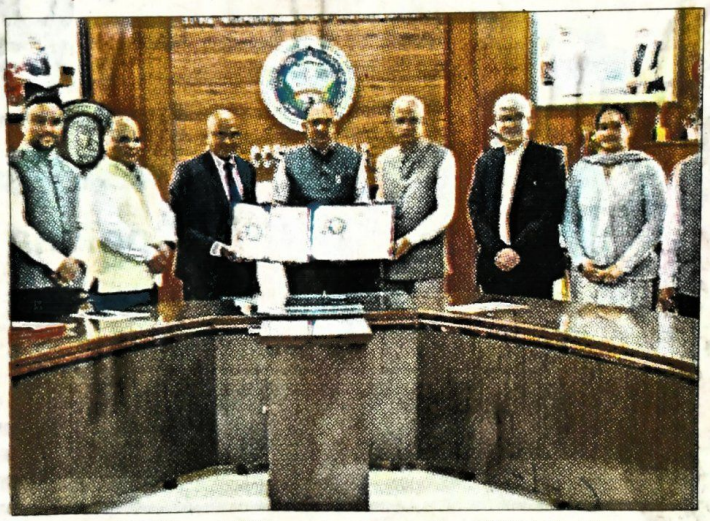

Officials of HAU and IOCL exchange copies of MoU in Hisar.

IOCL TO PROVIDE FUNDING OF ₹60L

- The IOCL will provide a funding of about ₹60 lakh under the CSR.
- The university will impart training, provide equipment and give technical expertise to farmers.
- About 120 farmers will get benefits under the scheme.

BETTER FOOD, ADDITIONAL INCOME FOR FARMERS

"In Haryana, where average landholding is less than 0.75 hectare, beekeeping can provide better food, balanced nutrition and income to small farmers. Also, it is one of the leading states in honey production in India. Prof BR Kamboj, VC

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
Times of India	9-12-23	7	1

THE TIMES OF INDIA

Farmers to learn beekeeping

Hisar: Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University and Indian Oil Corporation Limited have signed a memorandum of understanding (MOU) to provide financial and technical help to landless labourers, unemployed and uneducated farmers of Haryana for setting up a beekeeping unit. HAU director of research Jeetram Sharma and executive director (northern regional pipeline, IOCL) SK Kanojia signed the MoU in the presence of vice-chancellor Prof B R Kamboj.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरिभूमि	9-12-23	15	2-7

एचएयू और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के बीच हुआ एमओयू

एचएचयू व आईओसी करेंगे किसानों को मधुमक्खी पालन में स्वरोजगार स्थापित करने में मदद

विवि की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा व इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड की तरफ से उत्तरी क्षेत्रीय पाइपलाइन के कार्यकारी निदेशक एसके कनौजिया ने हस्ताक्षर किए।

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हरियाणा के भूमिहीन, बेरोजगार, अशिक्षित ग्रामीण पुरुष व महिला कृषकों को अब मधुमक्खी पालन के प्रति रूचि पैदा करने व छोटी मधुमक्खी पालन इकाई की स्थापना कर इसे स्वरोजगार के रूप में अपनाने में आर्थिक व तकनीकी मदद मिलेगी। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसी) के बीच एमओयू हुआ है। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड की तरफ से उत्तरी क्षेत्रीय पाइपलाइन के कार्यकारी निदेशक एसके कनौजिया ने इस एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस दौरान इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड की तरफ से उत्तरी क्षेत्रीय पाइपलाइन से डिप्टी जनरल मैनेजर नीरज सिंह व मैनेजर अनुराग जयसवाल भी मौजूद रहे।

हिसार। समझौता-ज्ञापन का आदान प्रदान करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज व आईओसी के उत्तरी क्षेत्रीय पाइपलाइन के कार्यकारी निदेशक एसके कनौजिया। फोटो: हरिभूमि

मधुमक्खी पालन में रोजगार के बेहतरीन अवसर: कनौजिया

इंडियन ऑयल कोपोरेशन लिमिटेड के उत्तरी क्षेत्रीय पाइपलाइन के कार्यकारी निदेशक एसके कनौजिया ने बताया कि हरियाणा में मधुमक्खी पालन में रोजगार के बेहतरीन अवसर है। हकृवि किसानों से सीधे तौर से जुड़कर उनके उत्थान में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि खासतौर पर महिला कृषक मधुमक्खी पालन को अपनाकर संतुलित आहार व पोषक तत्व सहित अतिरिक्त आय अर्जित कर सकते हैं।

मधुक्रांति में प्रदेश के चार जिलों का चयन

कीट विज्ञान विभाग की अध्यक्ष एवं परियोजना अधिकारी डॉ. सुनीता यादव ने बताया कि हरियाणा के विभिन्न जिलों में वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन और इसमें विविधिकरण को अपनाने से स्थाई आर्थिक व पोषण सुरक्षा विषय पर आधारित मधुक्रांति योजना के तहत शुरुआती चरण में हरियाणा के चार जिलों का चयन किया गया है, जिनमें करनाल, कुरुक्षेत्र, झज्जर व सोनीपत शामिल हैं। चारों जिलों से कुल 120 बेरोजगार युवा, महिला प्रशिक्षुओं को मधुमक्खी पालन संबंधित प्रशिक्षण देने व उन्हें छोटी मधुमक्खी पालन इकाई की स्थापना कर इन्हें स्वरोजगार के रूप में अपनाने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। प्रशिक्षुओं को मधुमक्खी पालन इकाई की स्थापना के लिए निशुल्क किट व आवश्यक सामग्री भी उपलब्ध करवाई जाएगी।

1300 गरीब महिलाओं व बच्चों को देंगे निःशुल्क शहद

कृषि विज्ञान केंद्रों की देखरेख व उनकी मदद से प्रशिक्षकों को उनके उत्पादों की मार्केटिंग करने में भी मदद की जाएगी। साथ ही उन्हें मधुमक्खी पालन इकाइयों का भी भ्रमण करवाया जाएगा। उन्होंने बताया कि कुल 1300 गरीब महिलाओं व बच्चों को निशुल्क शहद वितरित किया जाएगा और शहद के गुणों व औषधीय लाभों को बताकर उनमें जागरूकता पैदा की जाएगी। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता डॉ. केडी शर्मा, कीट विज्ञान विभाग में सह-परियोजना समन्वयक डॉ. सुरेंद्र सिंह यादव, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. हरीश कुमार, डॉ. भूपेंद्र सिंह, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य व मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की संयुक्त निदेशक डॉ. जयंति टोकस मौजूद रहे।

हरियाणा शहद उत्पादन में अग्रणी राज्यों में से एक : प्रो. काम्बोज

कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा कि हरियाणा शहद उत्पादन में अग्रणी राज्यों में से एक है। मधुमक्खी पालन क्षेत्रों में हरियाणा राज्य पूरे देश का प्रतिनिधित्व करता है। प्रदेश के भूमिहीन, बेरोजगार, अशिक्षित व कम जोत वाले किसान मधुमक्खी पालन को रोजगार के रूप में अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि योजना का मुख्य उद्देश्य कृषकों खासतौर पर महिलाओं में मधुमक्खी पालन को लोकप्रिय बनाकर स्वरोजगार को स्थापित करना है। इससे प्रशिक्षण प्राप्त प्रतिभागी न केवल खुद रोजगार प्राप्त कर सकेंगे अपितु दूसरों को भी रोजगार प्रदान करने में सक्षम होंगे। मधुमक्खी पालन अपनाने से कृषकों व खासतौर महिलाओं के लिए आजीविका के साधन बढ़ेंगे, साथ ही स्वास्थ्य को भी लाभ मिलेगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	9-12-23	5	7-8

संक्षिप्त समाचार

समझौता ज्ञापन का आदान–प्रदान करते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व कंपनी के कार्यकारी निदेशक।

हकृवि ने किसानों को मधुमक्खी पालन में स्वरोजगार स्थापित करने में मदद के लिए किया समझौता

हिसार, 8 दिसम्बर (ब्यूरो): हरियाणा के भूमिहीन, बेरोजगार, अशिक्षित ग्रामीण पुरुष व महिला कृषकों को अब मधुमक्खी पालन के प्रति रूचि पैदा करने व छोटी मधुमक्खी पालन इकाई की स्थापना कर इसे स्वरोजगार के रूप में अपनाने में आर्थिक व तकनीकी मदद मिलेगी। इसके लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के बीच एमओयू हुआ है।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड की तरफ से उत्तरी क्षेत्रीय पाइपलाइन के कार्यकारी निदेशक एस.के. कनौजिया ने इस एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस दौरान इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड की तरफ से उत्तरी क्षेत्रीय पाइपलाइन से डिप्टी जनरल मैनेजर नीरज सिंह व मैनेजर अनुराग जयसवाल भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	9-12-23	5	5-7

एमओयू हुआ साइन

हकृवि- आईओसीएल मिलकर लाएंगे मधु क्रांति, किसानों की करेंगे मदद

कुमार मुकेश/हप्र
हिसार, 8 दिसंबर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) अब हरियाणा के भूमिहीन, बेरोजगार, अशिक्षित ग्रामीण पुरुष व महिला कृषकों को मधुमक्खी पालन के प्रति रुचि पैदा करने व छोटी मधुमक्खी पालन इकाई की स्थापना कर इसे स्वरोजगार के रूप में अपनाने में आर्थिक व तकनीकी मदद देंगे। इस कार्य के लिए विवि और आईओसी के बीच में एमओयू हुआ है।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज, अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा और आईओसीएल की तरफ से उत्तरी क्षेत्रीय पाइपलाइन के कार्यकारी निदेशक एसके कनौजिया उपस्थित थे।

एसके कनौजिया ने बताया कि हरियाणा में मधुमक्खी पालन में रोजगार के बेहतरीन अवसर हैं। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय किसानों से सीधे तौर से जुड़कर उनके उत्थान में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि खासतौर पर महिला कृषक मधुमक्खी पालन को अपनाकर संतुलित आहार व पोषक तत्व सहित अतिरिक्त आय अर्जित कर सकते हैं। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता डॉ. केडी शर्मा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य व मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की संयुक्त निदेशक डॉ. जयंति टोकस आदि मौजूद रहे।

कीट विज्ञान विभाग की अध्यक्ष एवं परियोजना अधिकारी डॉ. सुनीता यादव ने बताया कि हरियाणा के विभिन्न जिलों में वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन और इसमें विविधिकरण को अपनाने से स्थाई आर्थिक व पोषण सुरक्षा विषय पर आधारित मधुक्रांति योजना के तहत शुरुआती चरण में हरियाणा के चार जिलों का चयन किया गया है, जिनमें करनाल, कुरुक्षेत्र, झज्जर व सोनीपत शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	9-12-23	9	1-3

हकृवि व इंडियन ऑयल किसानों को मधुमक्खी पालन में स्वरोजगार स्थापित करने में करेंगे मदद

- हकृवि व इंडियन ऑयल कोर्पोरेशन लिमिटेड के बीच हुआ एमओयू

हिसार(सच कहूँ /मांगे लाल)। हरियाणा के भूमिहीन, बेरोजगार, अशिक्षित ग्रामीण पुरूष व महिला कृषकों को अब मधुमक्खी पालन के प्रति रूचि पैदा करने व छोटी मधुमक्खी पालन इकाई की स्थापना कर इसे स्वरोजगार के रूप में अपनाने में आर्थिक व तकनीकी मदद मिलेगी। इसके लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के बीच एमओयू हुआ है।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड की तरफ से उत्तरी क्षेत्रीय पाइपलाइन के कार्यकारी निदेशक एस.के.कनौजिया ने इस एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

कुलपति ने कहा कि हरियाणा शहद उत्पादन में अग्रणी राज्यों में से एक है। चारों जिलों से कुल 120 बेरोजगार युवा, महिला प्रशिक्षुओं को मधुमक्खी पालन संबंधित प्रशिक्षण देने व उन्हें छोटी मधुमक्खी पालन इकाई की स्थापना कर इन्हें स्वरोजगार के रूप में अपनाने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। प्रशिक्षुओं को मधुमक्खी पालन इकाई की स्थापना के लिए निःशुल्क किट व आवश्यक सामग्री भी उपलब्ध करवाई जाएगी। उन्होंने बताया कि कुल 1300 महिलाओं व बच्चों को निशुल्क शहद वितरित किया।

इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता डॉ. केडी शर्मा, कीट विज्ञान विभाग में सह-परियोजना समन्वयक डॉ. सुरेंद्र सिंह यादव, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. हरीश कुमार, डॉ. भूपेंद्र सिंह, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य व मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की संयुक्त निदेशक डॉ.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	9-12-23	5	4-8

हकृवि और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड मिलकर करेंगे किसानों को मधुमक्खी पालन में स्वरोज़गार स्थापित करने में मदद

हिसार, 8 दिसम्बर (विरेंद्र वर्मा): हरियाणा के भूमिहीन, बेरोजगार, अशिक्षित ग्रामीण पुरूष व महिला कृषकों को अब मधुमक्खी पालन के प्रति रूचि पैदा करने व छोटी मधुमक्खी पालन इकाई की स्थापना कर इसे स्वरोजगार के रूप में अपनाने में आर्थिक व तकनीकी मद्द मिलेगी। इसके लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के बीच एमओयू हुआ है। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड की तरफ से उत्तरी क्षेत्रीय पाइपलाइन के कार्यकारी निदेशक एस.के.कनौजिया ने इस एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस दौरान इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड की तरफ से उत्तरी क्षेत्रीय पाइपलाइन से डिप्टी जनरल मैनेजर नीरज सिंह व मैनेजर अनुराग जयसवाल भी मौजूद रहे।

भूमिहीन, अशिक्षित व कम जोत वाले किसानों के लिए मधुमक्खी पालन रोजगार का बेहतर विकल्प : प्रो. काम्बोज

कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा कि हरियाणा शहद उत्पादन में अग्रणी राज्यों में से एक है। मधुमक्खी पालन क्षेत्रों में हरियाणा राज्य पूरे देश का प्रतिनिधित्व करता है। प्रदेश के भूमिहीन, बेरोजगार, अशिक्षित व कम जोत वाले किसान मधुमक्खी पालन को रोजगार के रूप में अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि योजना का मुख्य उद्देश्य कृषकों खासतौर पर महिलाओं में मधुमक्खी पालन को लोकप्रिय बनाकर स्वरोजगार को स्थापित करना है। इससे प्रशिक्षण प्राप्त प्रतिभागी न केवल खुद रोजगार प्राप्त कर सकेंगे अपितु दूसरों को भी रोजगार प्रदान करने में सक्षम होंगे। उन्होंने बताया कि मधुमक्खी पालन अपनाने से कृषकों व खासतौर महिलाओं के लिए आजीविका के साधन बढ़ेंगे, साथ ही स्वास्थ्य को भी लाभ मिलेगा। इंडियन ऑयल कोर्पोरेशन लिमिटेड के उत्तरी क्षेत्रीय पाइपलाइन के कार्यकारी निदेशक एस.के.कनौजिया ने बताया कि हरियाणा में मधुमक्खी पालन में रोजगार के बेहतरीन अवसर हैं। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय किसानों से सीधे तौर से जुड़कर उनके उत्थान में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि खासतौर पर महिला कृषक मधुमक्खी पालन को अपनाकर संतुलित आहार व पोषक तत्व सहित अतिरिक्त आय अर्जित कर सकते हैं। उन्होंने एमओयू पर खुशी जाहिर की, साथ ही सामाजिक दायित्व के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए मिले सहयोग हेतु विश्वविद्यालय के कुलपति का आभार जताया। कीट विज्ञान विभाग की अध्यक्ष एवं परियोजना अधिकारी डॉ. सुनीता यादव ने बताया कि हरियाणा के विभिन्न जिलों में वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन और इसमें विविधिकरण को अपनाने से स्थाई आर्थिक व पोषण सुरक्षा विषय पर आधारित मधुक्रांति योजना के तहत शुरुआती चरण में हरियाणा के चार जिलों का चयन किया गया है, जिनमें करनाल, कुरुक्षेत्र, झज्जर व सोनीपत शामिल हैं। उन्होंने बताया कि चारों जिलों से कुल 120 बेरोजगार युवा, महिला प्रशिक्षुओं को मधुमक्खी पालन संबंधित प्रशिक्षण देने व उन्हें छोटी मधुमक्खी पालन इकाई की स्थापना कर इन्हें स्वरोजगार के रूप में अपनाने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। प्रशिक्षुओं को मधुमक्खी पालन इकाई की स्थापना के लिए निशुल्क किट व आवश्यक सामग्री भी उपलब्ध करवाई जाएगी। कृषि विज्ञान केंद्रों की देखरेख व उनकी मदद से प्रशिक्षकों को उनके उत्पादों की मार्केटिंग करने में भी मदद की जाएगी। साथ ही उन्हें मधुमक्खी पालन इकाईयों का भी भ्रमण करवाया जाएगा। उन्होंने बताया कि कुल 1300 गरीब महिलाओं व बच्चों को निशुल्क शहद वितरित किया जाएगा और शहद के गुणों व औषधीय लाभों को बताकर उनमें जागरूकता पैदा की जाएगी। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता डॉ. केडी शर्मा, कीट विज्ञान विभाग में सह-परियोजना समन्वयक डॉ. सुरेंद्र सिंह यादब, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. हरीश कुमार, डॉ. भूपेंद्र सिंह, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य व मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की संयुक्त निदेशक डॉ. जयंति टोकस मौजूद रहे।

समझौता-ज्ञापन का आदान प्रदान करते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व इंडियन ऑयल कोर्पोरेशन लिमिटेड के उत्तरी क्षेत्रीय पाइपलाइन के कार्यकारी निदेशक एस.के.कनौजिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	9-12-23	2	3

हकृवि और इंडियन के बीच हुआ एमओयू

जागरण संवाददाता, हिसार: हरियाणा के भूमिहीन, बेरोजगार, अशिक्षित ग्रामीण पुरूष व महिला कृषकों को अब मधुमक्खी पालन के प्रति रूचि पैदा करने व छोटी मधुमक्खी पालन इकाई की स्थापना कर इसे स्वरोजगार के रूप में अपनाने में आर्थिक व तकनीकी मदद मिलेगी। इसके लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड के बीच एमओयू हुआ है। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डा. जीतराम शर्मा और इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड की तरफ से उत्तरी क्षेत्रीय पाइपलाइन के कार्यकारी निदेशक एसके कनौजिया ने इस एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस दौरान इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड की तरफ से उत्तरी क्षेत्रीय पाइपलाइन से डिप्टी जनरल मैनेजर नीरज सिंह व मैनेजर अनुराग जयसवाल भी मौजूद रहे।

कीट विज्ञान विभाग की अध्यक्ष एवं परियोजना अधिकारी डा. सुनीता यादव ने बताया कि चारों जिलों से कुल 120 बेरोजगार युवा, महिला प्रशिक्षुओं को मधुमक्खी पालन संबंधित प्रशिक्षण देने व उन्हें छोटी मधुमक्खी पालन इकाई की स्थापना कर इन्हें स्वरोजगार के रूप में अपनाने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कुल 1300 गरीब महिलाओं व बच्चों को निशुल्क शहद वितरित किया जाएगा और शहद के गुणों व औषधीय लाभों को बताकर उनमें जागरूकता पैदा की जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	9-12-23	2	3

मधुमक्खी पालन को लेकर एचएयू ने किया एमओयू

हिसार। मधुमक्खी पालन को लेकर चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विवि और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के बीच एमओयू हुआ है। कुलपति प्रो. बीआर कांबोज की उपस्थिति में अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड की तरफ से उत्तरी क्षेत्रीय पाइपलाइन के कार्यकारी निदेशक एसके कनौजिया ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

कीट विज्ञान विभाग की अध्यक्ष एवं परियोजना अधिकारी डॉ. सुनीता यादव ने बताया कि मधुक्रांति योजना के तहत शुरुआती चरण में करनाल, कुरुक्षेत्र, झज्जर व सोनीपत के 120 प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण देकर स्वरोजगार के रूप में अपनाने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक सवेरा	09.12.2023	--	--

एचएयू और आईओसी लिमिटेड करेंगे मधुमक्खी पालन में स्वरोजगार स्थापित करने में मदद, हुआ एमओयू

सवेरा ब्यूरो

चंडीगढ़, 8 दिसंबर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के सहयोग से हरियाणा के भूमिहीन, बेरोजगार, अशिक्षित ग्रामीण पुरुष व महिला कृपकों को अब मधुमक्खी पालन के प्रति रूचि पैदा करने व छोटी मधुमक्खी पालन इकाई की स्थापना कर इसे स्वरोजगार के रूप में अपनाने में आर्थिक व तकनीकी मदद मिलेगी। इसके लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के बीच एमओयू हुआ है। प्रवक्ता ने बताया कि सीसीएसएचएयू के कुलपति की उपस्थिति और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड की तरफ से उत्तरी क्षेत्रीय पाइपलाइन के कार्यकारी निदेशक ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। हरियाणा शहद उत्पादन में अग्रणी राज्यों में से एक है। मधुमक्खी पालन क्षेत्रों में हरियाणा पूरे देश का प्रतिनिधित्व करता है। प्रदेश के भूमिहीन, बेरोजगार, अशिक्षित व कम जोत वाले किसान मधुमक्खी पालन को रोजगार के रूप में अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सकते हैं। योजना का मुख्य उद्देश्य कृषकों खासतौर पर महिलाओं में मधुमक्खी पालन को लोकप्रिय बनाकर स्वरोजगार को स्थापित करना है। मधुमक्खी पालन अपनाने से कृषकों व खासतौर महिलाओं के लिए आजीविका के साधन बढ़ेंगे। साथ ही स्वास्थ्य को भी लाभ मिलेगा। हरियाणा में मधुमक्खी पालन में रोजगार के बेहतरीन अवसर हैं। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय किसानों से सीधे तौर से जुड़कर उनके उत्थान में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। खासतौर पर महिला कृषक मधुमक्खी पालन को अपनाकर संतुलित आहार व पोषक तत्व सहित अतिरिक्त आय अर्जित कर सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	08.12.2023	--	--

हकृवि में 9 व 10 दिसंबर को स्टूडेंट एंगेजमेंट कॉन्क्लेव

हिसार, 8 दिसंबर (समस्त हरियाणा न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय मे छात्र कल्याण निदेशालय की ओर से दो दिवसीय 9 व 10 दिसंबर को स्टूडेंट एंगेजमेंट कॉन्क्लेव का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के पहले दिन तीन सत्रों में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएगी, जिनमें स्टूडेंट एंगेजमेंट कॉन्क्लेव प्रश्नोत्तरी एवं पोस्टर प्रतियोगिता शामिल होगी। साथ ही विशेषज्ञों के साथ विद्यार्थी विभिन्न विषयों पर सामूहिक चर्चा भी करेंगे। दूसरे दिन कार्यक्रम के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के डिप्टी डायरेक्टर जनरल (एग्रीकल्चरल एजुकेशन) डॉ. आर.सी. अग्रवाल रहेंगे व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। डॉ. अतुल ढींगड़ा ने बताया कि इस कार्यक्रम में हकृवि के अलावा डॉ. बालासाहेब सावंत कोंकण कृषि विश्वविद्यालय, दापोली, गुरु अंगद देव पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, शेर ए कश्मीर यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी, जम्मू, वसंतराव नाइक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ, परभणी, शेर ए कश्मीर कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कश्मीर व डॉ. वाई.एस.परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, सोलन के विद्यार्थी शामिल होंगे।

	चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	08.12.2023	--	--

शुक्रवार, 8 दिसंबर, 2023 हिसार 4

हकृवि और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड मिलकर करेंगे किसानों को मधुमक्खी पालन में स्वरोजगार स्थापित करने में मदद

समस्त हरियाणा न्यूज

चंडीगढ़/हिसार, 8 दिसंबर। हरियाणा के भूमिहीन, बेरोजगार, अशिक्षित ग्रामीण पुरूष व महिला कृषकों को अब मधुमक्खी पालन के प्रति रूचि पैदा करने व छोटी मधुमक्खी पालन इकाई की स्थापना कर इसे स्वरोजगार के रूप में अपनाने में आर्थिक व तकनीकी मदद मिलेगी। इसके लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के बीच एमओयू हुआ है। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड की तरफ से उत्तरी क्षेत्रीय पाइपलाइन के कार्यकारी निदेशक एस.के.कनौजिया ने इस एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस दौरान इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड की तरफ से उत्तरी क्षेत्रीय पाइपलाइन से डिप्टी जनरल मैनेजर नीरज सिंह व मैनेजर अनुराग जयसवाल भी मौजूद रहे।

भूमिहीन, अशिक्षित व कम जोत वाले किसानों के लिए मधुमक्खी पालन रोजगार का बेहतर विकल्प : प्रो. काम्बोज

कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा कि हरियाणा शहद उत्पादन में अग्रणी राज्यों में से एक है। मधुमक्खी पालन क्षेत्रों में हरियाणा राज्य पूरे देश का प्रतिनिधित्व करता है। प्रदेश के भूमिहीन, बेरोजगार, अशिक्षित व कम जोत वाले किसान मधुमक्खी पालन को रोजगार के रूप में अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि योजना का मुख्य उद्देश्य कृषकों खासतौर पर महिलाओं में मधुमक्खी पालन को लोकप्रिय बनाकर स्वरोजगार को स्थापित करना है। इससे प्रशिक्षण प्राप्त प्रतिभागी न केवल खुद रोजगार प्राप्त कर सकेंगे अपितु दूसरों को भी रोजगार प्रदान करने में सक्षम होंगे। उन्होंने बताया कि मधुमक्खी पालन अपनाने से कृषकों व खासतौर महिलाओं के लिए आजीविका के साधन बढ़ेंगे, साथ ही स्वास्थ्य को भी लाभ मिलेगा। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के उत्तरी क्षेत्रीय पाइपलाइन के कार्यकारी निदेशक एस.के.कनौजिया ने बताया कि हरियाणा में मधुमक्खी पालन में रोजगार के बेहतरीन अवसर हैं। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय किसानों से सीधे तौर से जुड़कर उनके उत्थान में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि खासतौर पर महिला कृषक मधुमक्खी पालन को अपनाकर संतुलित आहार व पोषक तत्व सहित अतिरिक्त आय अर्जित कर सकते हैं। उन्होंने एमओयू पर खुशी जाहिर की, साथ ही सामाजिक दायित्व के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए मिले सहयोग हेतु विश्वविद्यालय के कुलपति का आभार जताया। कीट विज्ञान विभाग की अध्यक्ष एवं परियोजना अधिकारी डॉ. सुनीता यादव ने बताया कि हरियाणा के विभिन्न जिलों में वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन और इसमें विविधिकरण को अपनाने से स्थाई आर्थिक व पोषण सुरक्षा विषय पर आधारित मधुक्रांति योजना के तहत शुरूआती चरण में हरियाणा के चार जिलों का चयन किया गया है, जिनमें करनाल, कुरूक्षेत्र, झज्जर व सोनीपत शामिल हैं। उन्होंने बताया कि चारों जिलों से कुल 120 बेरोजगार युवा, महिला प्रशिक्षुओं को मधुमक्खी पालन संबंधित प्रशिक्षण देने व उन्हें छोटी मधुमक्खी पालन इकाई की स्थापना कर इन्हें स्वरोजगार के रूप में अपनाने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। प्रशिक्षुओं को मधुमक्खी पालन इकाई की स्थापना के लिए निशुल्क किट व आवश्यक सामग्री भी उपलब्ध करवाई जाएगी। कृषि विज्ञान केंद्रों की देखरेख व उनकी मदद से प्रशिक्षकों को उनके उत्पादों की मार्केटिंग करने में भी मदद की जाएगी। साथ ही उन्हें मधुमक्खी पालन इकाईयों का भी भ्रमण करवाया जाएगा। उन्होंने बताया कि कुल 1300 गरीब महिलाओं व बच्चों को निशुल्क शहद वितरित किया जाएगा और शहद के गुणों व औषधीय लाभों को बताकर उनमें जागरूकता पैदा की जाएगी। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता डॉ. केडी शर्मा, कीट विज्ञान विभाग में सह-परियोजना समन्वयक डॉ. सुरेंद्र सिंह यादव, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. हरीश कुमार, डॉ. भूपेंद्र सिंह, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य व मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की संयुक्त निदेशक डॉ. जयंती टोकस मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	08.12.2023	--	--

हकृवि और इंडियन ऑयल कोर्पोरेशन लिमिटेड के बीच हुआ एमओयू

हकृवि और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड मिलकर करेंगे किसानों को स्वरोजगार स्थापित करने में मदद

पांच बजे न्यूज

हिसार। हरियाणा के भूमिहीन, बेरोजगार, अशिक्षित ग्रामीण पुरूष व महिला कृषको को अब मधुमक्खी पालन के प्रति रूचि पैदा करने व छोटी मधुमक्खी पालन इकाई की स्थापना कर इसे स्वरोजगार के रूप में अपनाने में आर्थिक व तकनीकी मदद मिलेगी। इसके लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के बीच एमओयू हुआ है।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड की तरफ से उत्तरी क्षेत्रीय पाइपलाइन के कार्यकारी निदेशक एस.के.कनौजिया ने इस एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस दौरान इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड की तरफ से उत्तरी क्षेत्रीय पाइपलाइन से डिप्टी जनरल मैनेजर नीरज सिंह व मैनेजर अनुराग जयसवाल भी मौजूद रहे।

भूमिहीन, अशिक्षित व कम जोत वाले किसानों के लिए मधुमक्खी पालन रोजगार का बेहतर विकल्प : प्रो. काम्बोज

कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा कि हरियाणा शहद उत्पादन में अग्रणी राज्यों में से एक है। मधुमक्खी पालन क्षेत्रों में हरियाणा राज्य पूरे देश का प्रतिनिधित्व करता है। प्रदेश के भूमिहीन, बेरोजगार, अशिक्षित व कम जोत वाले किसान मधुमक्खी पालन को रोजगार के रूप में अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सकते है। उन्होंने कहा कि योजना का मुख्य उद्देश्य कृषकों खासतौर पर महिलाओं में मधुमक्खी पालन को लोकप्रिय बनाकर स्वरोजगार को स्थापित करना है। इससे प्रशिक्षण प्राप्त प्रतिभागी न केवल खुद रोजगार प्राप्त कर सकेंगे अपितु दूसरों को भी रोजगार प्रदान करने में सक्षम होंगे। उन्होंने बताया कि मधुमक्खी पालन अपनाने से कृषकों व खासतौर महिलाओं के लिए आजीविका के साधन बढ़ेंगे, साथ ही स्वास्थ्य को भी लाभ मिलेगा।

इंडियन ऑयल कोर्पोरेशन लिमिटेड के उत्तरी क्षेत्रीय पाइपलाइन के कार्यकारी निदेशक एसके कनौजिया ने बताया कि हरियाणा में मधुमक्खी पालन में रोजगार के बेहतरीन अवसर है। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय किसानों से सीधे तौर से जुड़कर उनके उत्थान में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि खासतौर पर महिला कृषक मधुमक्खी पालन को अपनाकर संतुलित आहार व पोषक तत्व सहित अतिरिक्त आय अर्जित कर सकते है। उन्होंने एमओयू पर खुशी जाहिर की, साथ ही सामाजिक दायित्व के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए मिले सहयोग हेतु विश्वविद्यालय के कुलपति का आभार जताया।

कीट विज्ञान विभाग की अध्यक्ष एवं परियोजना अधिकारी डॉ. सुनीता यादव ने बताया कि हरियाणा के विभिन्न जिलों में वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन और इसमें विविधिकरण को अपनाने से स्थाई आर्थिक व पोषण सुरक्षा विषय पर आधारित मधुक्रांति योजना के तहत शुरूआती चरण में हरियाणा के चार जिलों का चयन किया गया है, जिनमें करनाल, कुरुक्षेत्र, झज्जर व सोनीपत शामिल है। उन्होंने बताया कि चारों जिलों से कुल 120 बेरोजगार युवा, महिला प्रशिक्षुओं को मधुमक्खी पालन संबंधित प्रशिक्षण देने व उन्हें छोटी मधुमक्खी पालन इकाई की स्थापना कर इन्हें स्वरोजगार के रूप में अपनाने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। प्रशिक्षुओं को मधुमक्खी पालन इकाई की स्थापना के लिए निशुल्क किट व आवश्यक सामग्री भी उपलब्ध करवाई जाएगी। कृषि विज्ञान केंद्रों की देखरेख व उनकी मदद से प्रशिक्षकों को उनके उत्पादों की मार्केटिंग करने में भी मदद की जाएगी। साथ ही उन्हें मधुमक्खी पालन इकाईयों का भी भ्रमण करवाया जाएगा। उन्होंने बताया कि कुल 1300 गरीब महिलाओं व बच्चों को निशुल्क शहद वितरित किया जाएगा और शहद के गुणों व औषधीय लाभों को बताकर उनमें जागरूकता पैदा की जाएगी।

इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, खातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता डॉ. केडी शर्मा, कीट विज्ञान विभाग में सह-परियोजना समन्वयक डॉ. सुरेंद्र सिंह यादव, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. हरीश कुमार, डॉ. भूपेंद्र सिंह, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य व मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की संयुक्त निदेशक डॉ. अर्चना टोकस मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष न्यूज	08.12.2023	--	--

विदेशी वैज्ञानिकों ने हकृवि के शोधार्थियों और वैज्ञानिकों को दिया अपने संस्थानों में आने का निमंत्रण

हकृवि के एमएससी व पीएचडी छात्रों को मिलेगा विदेशी संस्थानों में जाकर ज्ञान अर्जित करने का मौका

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 8 दिसम्बर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने देश-विदेश के विभिन्न संस्थानों से आए प्रख्यात वैज्ञानिकों ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज से बैठक की और हकृवि के शैक्षिक व अनुसंधान कार्यक्रमों पर विस्तार से बातचीत की।

इस बैठक में अमेरिका के टेक्सास ए एंड एम विश्वविद्यालय के संकाय फेलो प्रोफेसर सर्जिओ सी. कापारेडा ने हकृवि में शोध के प्रति सकारात्मक माहौल को देखते हुए अपने संस्थान की तरफ से यहां के वैज्ञानिकों खासतौर से विद्यार्थियों को टेक्सास ए एंड एम विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण व अनुसंधान के लिए जरूरी तकनीकों को जानने के लिए निमंत्रण दिया। फ्रांस के आईपीसीसी नोबेल पुरस्कार के सह-विजेता प्रोफेसर आर्थर सी. रिडेकर ने हकृवि के शोध व शिक्षण को पूरी तरह से किसानों पर केंद्रित व कृषि उत्पादन बढ़ाने वाला बताया। उन्होंने हकृवि के विद्यार्थियों को अपने देश के संस्थानों में प्रशिक्षण व शोध संबंधी विकल्प देने की बात कही, जिससे हकृवि के एमएससी व पीएचडी के विद्यार्थियों को लाभ होगा।

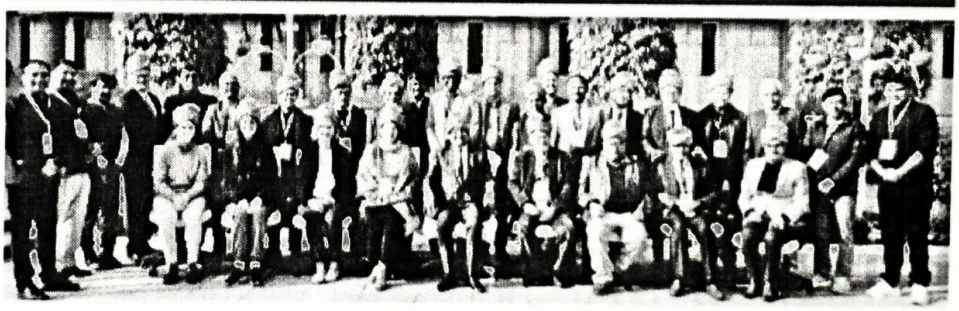

इसी प्रकार जर्मनी के गटींगम से डॉ. डिटर एच. त्रुट्ज ओस्नाब्रुक ने कहा कि यह सम्मेलन कृषि सहित अन्य क्षेत्रों से जुड़े रोचक व महत्वपूर्ण विषयों के बारे में ज्ञान प्रदान करने में बहुत सफल रहा है। इसमें यूरोप व एशिया महाद्वीप के देशों की जलवायु की भिन्नता से लेकर कृषि समस्याओं को जानने का अवसर भी मिला है। उन्होंने हकृवि के शोधार्थियों को जर्मनी की तरफ से निमंत्रण दिया। कोलम्बिया से आए डॉ. देवकी नंदन ने कहा कि हकृवि में आयोजित किए गए इस सम्मेलन में उन्हें व्यक्तिगत तौर पर अन्य देशों से आए विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों के साथ ज्वलंत मुद्दों पर मंथन करने का अवसर प्रदान किया है। इसके अलावा उन्होंने विश्वविद्यालय के कैंपस अस्पताल में वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, अधिकारियों, कर्मचारियों सहित विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं को भी सराहा।

कजाखिस्तान से डॉ. एर्माकोवा ओक्साना व डॉ. विक्टर कामकिन ने कहा कि इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेकर उन्हें नई-नई जानकारियां प्राप्त करने पर अवसर प्राप्त हुआ है। अफ्रीका के वैज्ञानिक डॉ. राबे यहाया ने हकृवि की प्रयोगशालाओं के उच्च मापदंड, सुविधाओं के साथ वैज्ञानिकों के अनुभव की तारीफ की और हकृवि के साथ परस्पर सहयोग, शोध व नवीनतम तकनीकों को हस्तांतरण करने की अपील की। उन्होंने मानवीयता की दृष्टि से हकृवि की कृषि तकनीकों को अफ्रीकन किसानों को उपलब्ध करवाने की अपील की ताकि वहां के किसानों के आर्थिक व सामाजिक स्तर को सुधारने में मदद मिल सकें।

इस बैठक में विदेशी वैज्ञानिकों ने सम्मेलन की व्यवस्थाओं के बारे में भी जमकर तारीफ की। साथ ही उन्होंने विश्वविद्यालय की ओर से कृषकों व विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध करवाई जा रही सुविधाओं व प्रौद्योगिकियों को भी सराहा। इस अवसर पर कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बैठक में उपस्थित समस्त विदेशी वैज्ञानिकों को पगड़ी पहनाई, साथ ही उनका अभिवादन कर आभार जताया।

इस अवसर पर डेनमार्क से डॉ. अहमद जहूर, जापान से प्रोफेसर यो तोमा, कजाकिस्तान से डॉ. विक्टर कामकिन व डॉ. ओक्साना एर्माकोवा, फ्रांस से डॉ. बोचाइब खदरी, पौलेंड से डॉ. टकाओ इशिकावा, मिस्त्र से डॉ. हॉसम रूश्दी, सीम्मीट मैक्सिको से डॉ. एम.के. गथाला एवं डॉ. मैक्सवेल मकोंडीवा,, ब्राजील से डॉ. फ्रांसिस्को फग्गिओं व डॉ. वाल्मी हैजे-फग्गिओं, ईरी-शार्क से डॉ. राबे याहया, ईक्रीसेट से डॉ. एस.के. गुप्ता, कैलिफोर्निया से डॉ. चंद्र पी. अरोड़ा सहित इत्यादि वैज्ञानिकों ने भविष्य में हकृवि के साथ एमओयू करके संयुक्त रूप से प्रशिक्षण, कार्यशालाएं, शिक्षण व अनुसंधान करने पर जोर दिया।